

खबर संक्षेप



कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

कोतमा। जिला स्तरीय विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कोतमा नगर के अटल चौपाटी में शनिवार को आयोजित किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन जनजाति कार्य विभाग द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जनजाति कार्य विभाग एवं माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर के संयोजक प्राचार्य द्वारा 14 वर्ष से 19 वर्ष तक के बालक बालिकाओं का कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित विद्यालय के खिलाड़ियों ने भाग लिया। आयुक्त सुश्री सरिता नायक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा संयोजक प्राचार्य माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर अजय सिंह चौहान जिला कीड़ा प्रमारी उपेन्द्र कुमार मिश्रा की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मिथलेश सिंह नेताम खेल एवं युवा कल्याण विभाग कोतमा, प्रेम पांडे, रोहित लाल चौधरी, श्रीमती बसंत सिंह, विनोद केवट, अवनीश कुमार, सुश्री साक्षी पाठक, सुश्री मारती माकी, श्रीमती तुलसी सिंह का योगदान रहा।

मानपुर में कांग्रेस सेवादल की नई टीम तैयार



मानपुर। कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में मानपुर में बड़ा संगठनात्मक कदम उठाया गया है। पूर्व विधायक अजय सिंह एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय कोल के निर्देशानुसार तथा जिला सेवादल अध्यक्ष संतोष सिंह के मार्गदर्शन में मानपुर ब्लॉक सेवादल एवं नगर सेवादल की नई इकाइयों का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से गया प्रसाद पटेल को कांग्रेस सेवादल ब्लॉक इकाई मानपुर का अध्यक्ष तथा राजेंद्र शुक्ला को नगर सेवादल मानपुर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। घोषणा होती ही मौजूद कांग्रेस संयोक्तों और ने दोनों नवनिर्युक्त अध्यक्षों का स्वागत किया।

संगठन को बुथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर - बैठक में ब्लॉक कांग्रेस मानपुर के अध्यक्ष एवं प्रमारी सहित कांग्रेस के पूर्व एवं वर्तमान वरिष्ठ पदाधिकारी, सेवादल पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। वसिष्ठ कांग्रेस नेता ओ पी द्विवेदी एवं राम गोपाल दहिया सहित मनोज सिंह बघेल,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मानपुर के अध्यक्ष उमाशंकर पटेल, एडवोकेट संजु द्विवेदी,राजेश शुक्ला,पीडी प्रमाकर, राधिका प्रसाद पटेल, विक्रम पटेल,केके पटेल, संतलाल चौधरी, विवेक पटेल, चंद्रशेखर पटेल, सीताराम चौधरी, गोपाल चौधरी, एडवोकेट शिवशरण पटेल, उज्ज्वला चौधरी आदि पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन के विस्तार और सक्रियता को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नवनिर्युक्त अध्यक्षों के सामने अब सेवादल को ब्लॉक से लेकर नगर और जमीनी स्तर तक सक्रिय करने की जिम्मेदारी होगी। बैठक में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया गया।

माजपा मंडल राजनगर के सभी बूथों में मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती



राजनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला अनुपपुर के राजनगर मंडल के अंतर्गत शहडोल संभाग प्रभारी गौरव सिरोटिया, जिला प्रभारी संजय साहू, एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हिरा सिंह श्याम के मार्गदर्शन में कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष राजनगर के नेतृत्व में मंडल क्षेत्र के सभी बूथों में गुरुवार को भारतीय जनसंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में विभिन्न बूथों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें

कैंसर पीड़ित गौरी बैगा की मदद को आगे आए पवन कुमार चीनी आर्थिक सहायता देकर बढ़ाया हौसला और स्वस्थ होने की की कामना

जरूरतमंद परिवारों के लिए लगातार मदद का सिलसिला

शहडोल। नगर परिषद बरगवां-अमलाई के वार्ड क्रमांक 10 देवहरा निवासी कैंसर पीड़ित महिला गौरी बैगा की मदद के लिए सामाजिक कार्यकर्ता पवन कुमार चीनी आगे आए। उन्होंने गौरी बैगा को आर्थिक सहायता राशि प्रदान करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और परिवार को भरोसा दिलाया कि मुश्किल समय में समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना चाहिए। बताया गया कि गौरी बैगा लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। बीमारी के इलाज के दौरान परिवार के सामने आर्थिक परेशानियां भी बनी हुई हैं। ऐसे समय में पवन कुमार चीनी द्वारा सहायता का हाथ बढ़ाया गया आर्थिक सहयोग मिलने से परिवार को इलाज के खर्च में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है

बारिश में क्षतिग्रस्त मकान में भी की थी मदद

पवन कुमार चीनी की ओर से जरूरतमंदों की सहायता का यह कोई पहला

ग्राम पंचायत बचहा में नाशते का बड़ा खेल 3,950 का जलपान डकार गए सरपंच-सचिव

पड़ोस की बड़छड़ पंचायत का थमाया बिल

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बचहा में विकास के नाम पर सरकारी खजाने में किस कदर संधमारी की जा रही है, इसका एक शर्मनाक और चौंकाने वाला मामला उजागर हुआ है। पंचायत के जिम्मेदार सरपंच और सचिव पर चंद पैसों के लालच में वित्तीय नियमों की धजियां उड़ाने और फर्जीवाड़े के बल पर शासकीय राशि का बंदरबांट करने का गंभीर आरोप लगा है। मामला महज 3,950 रुपये के नाशते का है, लेकिन इसे सरकारी रिकॉर्ड में ठिकाने लगाने के लिए जो शातिराना पैतार अपनایा गया, उसने पंचायत प्रशासन के भ्रष्टाचार की कलई खोलकर रख दी है।

बिल में नाम दूसरी पंचायत का

सामने आए दस्तावेजों और स्थानीय सूत्रों के खुलासे के अनुसार, ग्राम पंचायत बचहा के सरपंच और सचिव ने साहबों की आवभगत और खुद के जलपान के नाम पर 3,950 रुपये का नाशता चट कर लिया। जब इस खर्च को सरकारी खाते में एडजस्ट करने की बारी आई, तो फर्जीवाड़े का खेल



शुरू हुआ। इस बिल को वैध ठहराने के लिए जो वाउचर सरकारी फाइलों में चسपा किया गया, वह बचहा पंचायत का था ही नहीं, बल्कि पड़ोसी ग्राम पंचायत बड़छड़ के नाम से जारी किया गया था। यानी नाशता पचाया गया बचहा में और फर्जी बिल बड़छड़ के नाम का पर्चा फाड़ा गया।

तो लाखों-करोड़ों के कामों का क्या

गांव के जागरूक नागरिकों का कहना है कि जो सरपंच-सचिव महज चार हजार रुपये के समीसे-कचौड़ी के बिल में इतनी धूर्तता और धोखाधड़ी कर सकते हैं, वे पंचायत में आने वाली लाखों-करोड़ों रुपये की विकास निधियों में कितना बड़ा डाका डाल रहे होंगे, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। कागजों में विकास दिखाने और फर्जी बिल-वाउचर लगाकर सरकारी बजट को ठिकाने लगाने का यह कोई पहला मामला नहीं है,

बल्कि यह तो उस बड़े सिंडिकेट का छोटा सा नमूना है।

शासकीय नियमों की सरेंआम धज्जियां

पंचायती राज और शासकीय वित्तीय नियमों के तहत किसी भी ग्राम पंचायत का प्रशासनिक या विकास संबंधी खर्च उसी पंचायत के अधिकृत नाम, जीएसटी/टिन नंबर या वैध वाउचर के आधार पर ही स्वीकृत हो सकता है। किसी दूसरी पंचायत के नाम का बिल अपनी फाइल में लगाकर राशि का आहरण करना सीधे तौर पर वित्तीय कूटरंचित दस्तावेज, धोखाधड़ी और पद के दुरुपयोग का संगीन अपराध है।

जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

इस जालसाजी के उजागर होने के सीईओ और जिला कन्ट्रोल्टर से निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि बड़छड़ पंचायत के नाम पर लगाए गए इस फर्जी बिल की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। सरपंच और सचिव के कार्यालय के दौरान कराए गए तमाम निर्माण कार्यों और वित्तीय भुगतानों की रिकवरी व ऑडिट कराई जाए। पद का दुरुपयोग कर फर्जीवाड़ा करने वाले सरपंच व सचिव पर धारा 40/92 के तहत कार्रवाई करते हुए आपराधिक मामला दर्ज किया जाए।

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास हरिभूमि 6

कैंसर पीड़ित गौरी बैगा की मदद को आगे आए पवन कुमार चीनी आर्थिक सहायता देकर बढ़ाया हौसला और स्वस्थ होने की की कामना



ग्राम पंचायत चिल्हारी में जिम्मेदारों की तानाशाही अधर में अटका सीसी सड़क का निर्माण

नालियां चोक, बीमारी और गंदगी के साए में जीने को मजबूर ग्रामीण

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चिल्हारी में विकास के दावों की हवा निकल चुकी है। पंचायत प्रशासन की उदासीनता और लापरवाही के चलते गांव की मुख्य सीसी सड़क का निर्माण कार्य पिछले कई दिनों से अधर में लटका पड़ा है। आधी-अधूरी बनी सड़क अब ग्रामीणों के लिए राहत की जगह आफत का सबब बन चुकी है। कार्य बंद होने के बाद उखड़ी हुई सड़क और गड्ढों में जलजमाव हो गया है। गंदे पानी और कीचड़ के कारण गांव का मुख्य मार्ग नारकीय स्थिति में तब्दील हो चुका है। मजबूरी में इसी गंदगी के बीच से होकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और ग्रामीणों को आवाजाही करनी पड़ रही है। स्थानीय निवासियों में पंचायत के रवैये को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है।

पूरी सड़क बनेगी का झांसा देकर छोड़ा अधूरा ग्रामीणों का कहना है कि जब



निर्माण कार्य शुरू हुआ था, तब पंचायत के जनप्रतिनिधियों और ठेकेदार ने पूरी सड़क का कायाकल्प करने का दम भरा था। लेकिन कुछ ही दिनों में काम को बीच में ही बंद कर दिया गया। आलम यह है कि राहगीरों का चलना दूभर हो गया है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

सालों से ठप है नाली सफाई

समस्या सिर्फ आधी-अधूरी सड़क तक सीमित नहीं है। ग्राम पंचायत की नालियों की सफाई कई वर्षों से नहीं कराई गई है। निकासी मार्ग बंद होने से नालियों का गंदा और बदबूदार पानी सीधे रास्तों पर बह रहा है। ठहरे हुए पानी में मच्छर पनप रहे हैं, जिससे गांव में संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। महामारी की आहत के बावजूद पंचायत प्रशासन

कुंभकर्णी नौद सोया हुआ है। कैसे निकलेंगी श्रद्धालु महिलाएं

कुछ ही दिनों बाद शक्ति की उपासना का महापर्व नवरात्रि शुरू होने वाला है। चिल्हारी के इसी मुख्य मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु महिलाएं, बच्चे और वृद्ध माता रानी के दर्शन के लिए निकलते हैं। बदहाल सड़क और घुटने तक भरे कीचड़ के बीच श्रद्धालु कैसे आवाजाही करेंगे, इसे लेकर ग्रामीणों में गहरा रोष है।

समस्या में हो तो रहो

जब ग्रामीणों ने अपनी इस मूलभूत समस्या को लेकर पंचायत के जिम्मेदारों से गुहार लगाई, तो समाधान करने के बजाय संवेदनहीन जवाब मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदारों का साफ

अमरकंटक में अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई हाथ भट्टी एवं विदेशी मदिरा बरामद, तीन प्रकरण दर्ज कर की गई वैधानिक कार्रवाई

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गम स्थली/पवित्र नगरी अमरकंटक में आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के उद्देश्य के अंतर्गत आबकारी विभाग ने अमरकंटक क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई करते हुए 27 सितंबर को विभिन्न स्थानों से हाथ भट्टी एवं विदेशी मदिरा बरामद की है। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। जिले के कलेक्टर रत्नाकर झा के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी खेमराज श्याम के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सम्पति्या मरावी तथा विजय बहादुर सिंह के नेतृत्व में गठित संयुक्त आबकारी दल ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान अमरकंटक के वार्ड क्रमांक-7 में राजेश सिंह एवं रामकली के कब्जे से 11 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। वहीं बाराती क्षेत्र में अनीता धुवें के कब्जे से 7.2 बल्क लीटर विदेशी मदिरा तथा ग्राम लालपुर में संजनाबाई के कब्जे से 6.3 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जब्त की गई। आबकारी विभाग ने बरामद मदिरा को



विधिवत जप्त करते हुए संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण कायम कर आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में मुख्य आरक्षक महबूब अहमद खान, विक्रांत नामदेव तथा आरक्षक अमृतलाल साकेत एवं रमाकांत सिंह बैस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एनएसएस के 57वें स्थापना दिवस पर सेवा और जागरूकता कार्यक्रम

स्वच्छता अभियान, चित्रकला प्रतियोगिता के साथ स्वयंसेवकों ने ली नशामुक्ति की शपथ

हरिभूमि न्यूज राजनगर। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय राजनगर परिसर में एक दिवसीय सेवा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद एनएसएस स्वयंसेवकों ने करतल ध्वनि के साथ एनएसएस का लक्ष्य गीत ‘उठे समाज के लिए उठें...' प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम अधिकारी दिग्विजय पाटिल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को समाज की जमीनी समस्याओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, सामाजिक चेतना और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित होती है। महाविद्यालय के प्राचार्य



मयंक ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल आदर्श वाक्य ‘मैं नहीं, आप’ युवाओं को निस्वार्थ सेवा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए प्रेरित करता है। स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने परिसर से प्लास्टिक सहित अन्य कचरा एकत्र कर स्वच्छता बनाए रखने और कचरे के उचित निस्तारण का संदेश दिया। इसके साथ ही ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर चित्रकला

प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने चित्रों के माध्यम से अपने विचारों और कल्पनाओं को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मनोज जायसवाल ने उपस्थित स्वयंसेवकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए युवाओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहकर ही स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार समाज के निर्माण में

योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में संजय दास पनिका, डॉ. अनुसुइया राजक, डॉ. आनंद मिश्रा एवं डॉ. भावना सिंह ने एनएसएस स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज जायसवाल ने किया। कार्यक्रम अधिकारी दिग्विजय पाटिल ने अतिथियों, प्राध्यापकों एवं स्वयंसेवकों के प्रति आपभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।



नवीन प्रकाश शर्मा को FSSAI की केंद्रीय सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किये जाने से हर्ष

बुध्दार। उपभोक्ता अधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन प्रकाश शर्मा को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के केंद्रीय सलाहकार समिति (Central Advisory Committee—CAC) का शहडोल अंचल के ‘उपभोक्ता श्रेणी’ (Consumer Category) के सदस्य का महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया है। श्री शर्मा की इस नियुक्ति से क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है, जो FSSAI की केंद्रीय सलाहकार समिति खाद्य प्राधिकरण और प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय, खाद्य सुरक्षा से जुड़े जोखिमों की पहचान तथा महत्वपूर्ण नीतिगत विषयों पर सलाह देने में अपनी भूमिका निभाती है। उपभोक्ता श्रेणी के सदस्य के रूप में नवीन प्रकाश शर्मा का मनोनयन उपभोक्ता हितों और खाद्य सुरक्षा से जुड़े जमीनी मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर सामने रखने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण साबित होगा।नवीन प्रकाश शर्मा को उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण, जन-स्वास्थ्य तथा खाद्य सुरक्षा जागरूकता के क्षेत्र में उनके योगदान और अनुभव को देखते हुए समिति में शामिल किया गया है, जिस पर श्री शर्मा ने कहाकि- FSSAI की CAC में उपभोक्ता श्रेणी के सदस्य के रूप में शामिल होना उनके लिए बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि- मिलावटखोरी पर प्रभावी निर्यन्त्रण, सुरक्षित एवं पोष्टिक आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा खाद्य मानकों को उपभोक्ता हितोंसे बनाने की दिशा में कार्य करना उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा। उन्होंने कहाकि- इस राष्ट्रीय मंच पर उपभोक्ताओं की समस्याओं और अपेक्षाओं को मजबूती से रखने का प्रयास किया जायेगा।श्री शर्मा के इस मनोनयन पर क्षेत्र के उपभोक्ता अधिकार संगठनों, समाजसेवियों, व्यापारिक संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों ने शुभकामना देते हुए इसे जिले के लिए उपलब्धि पूर्ण माना है

टंकी तिराहा तरफ हो रही बिजली कटौती

ब्यूहारी। नगर परिषद के अंतर्गत वर्क कांमक 2 में केसरवानी पेट्रोल पंप से लेकर दिन में 4 से 5 घंटा बिजली कटौती की जा रही है स्थानिक दुकानदारों ने बताया कि हम लोग शहर में रहते हैं लेकिन शहर जैसी बिजली नहीं मिल पाती दुकानदार रामचंद्र मिश्र ने बताया कि मैं 11:00 बजे दुकान में आता हूं तब से बिजली आती जाती रहती है रात में 9:00 बजे तक रहता हूं इस दौरान कम से कम तीन-चार घंटे ही बिजली मिल पाती है बाकी आती जाती रहती है यह सिलसिला काफी समय से चल रहा है टंकी तिराहा बाजार का मुख्य परिया है यहां पर बिजली की कटौती नहीं होगी चाहिए बिजली कटौती के कारण दुकानदार ग्रामीण महिला एवं बच्चे सब परेशान रहते हैं कलेक्टर से टंकी तिराहा तरफ बिजली कटौती बंद करने की मांग की है।

इनका कहना है।

टंकी तिराहा परिया बिजली वितरण हाउसिंग बोर्ड फौंडर से जुड़ चुका है इसलिए इधर बिजली कम विजली मिल पा रही है फिर भी हम 18 घंटे बिजली देना का प्रयास कर रहे हैं विद्युत विभाग के पास एक नया सब स्टेशन मंजूर हो गया है शीघ इसमें काम शुरू होगा सब स्टेशन बनने के बाद पूरे शहर के लिए एक ही सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति की जाएगी तब सबका पर्याप्त बिजली मिल सकेगी।

वसंत गुप्ता सहायक अभियंता विद्युत मंडल ब्यूहारी

विमला दुबे को भाजपा महिला मोर्चा में अहम जिम्मेदारी



अमलाई। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला अनुूपुर की मंडल अध्यक्ष की सूची जारी कर दी गई है। पार्टी की ओर से जारी पत्र के अनुसार विमला दुबे को अनुूपुर ग्रामीण मंडल की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।24 सितंबर को जारी पत्र में बताया गया है कि प्रदेश नेतृत्व की अनुमति के बाद महिला मोर्चा जिला अनुूपुर के मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गई। इसमें विधानसभा क्रमांक 87 अनुूपुर के अंतर्गत अनुूपुर ग्रामीण मंडल की जिम्मेदारी विमला दुबे को सौंपी गई है।विमला दुबे की नियुक्ति के साथ उन्हें अनुूपुर ग्रामीण क्षेत्र में महिला मोर्चा के संगठनात्मक कार्यों के संचालन और महिला कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने की जिम्मेदारी मिली है। पार्टी द्वारा जारी सूची में उनके साथ कोतमा ग्रामीण मंडल के लिए चंद्रा पालिका, फुनगा के लिए प्रेमलता गौतम, कटकनगर के लिए नैना गुप्ता तथा अमरकंठक मंडल के लिए विमरा राव के नाम भी घोषित किए गए हैं।यह नियुक्ति भाजपा महिला मोर्चा के जिला संघटन में आगामी गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव के रूप में सामने आई है।

पुलिस ने चोरी की वारदात से उठाया पर्दा, 80 हजार का माल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

बुध्दार। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में थाना बुध्दार पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चोरी की एक वारदात का त्वरित खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी गया नगद एवं चांदी के आभूषण बरामद करने में सफलता हासिल की है।

क्या था मामला ?

मामले की जानकारी के अनुसार, दिनांक 25 सितंबर 2026 को फरियादिया सुमन सोनकर (पति स्व. बेदालाल सोनकर, उम्र 40 वर्ष), निवासी वार्ड क्र. 05, एसबीआई बैंक के पीछे, बुध्दार की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया था।

पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना बुध्दार पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी की तलाश और चोरी गए



माल-मशरूका की पतासाजी के लिए लगातार प्रयास किए गए। संदिग्धों और संभावित ठिकानों पर दबिश देते हुए पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर आरोपी नील सिंह (पिता धन सिंह गोंड, उम्र 18 वर्ष), मूल निवासी अलवार थाना करनपुर जिला अनूपपुर (हाल निवासी: वार्ड क्र. 05 बुध्दार, एसबीआई बैंक के पीछे,

जिला शहडोल) को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रजनीश तिवारी (थाना बुध्दार) के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक क्लेमेंट जोन्स, सहायक उप निरीक्षक रविदास संत,



प्रधान आरक्षक दशरथ प्रजापति, धर्मेन्द्र सिंह, आरक्षक सुरजीत जाट, नरेन्द्र सिंह एवं आरक्षक श्रीकांत गुप्ता की सराहनीय भूमिका रही।

80 हजार रुपये का मशरूका जप्त

कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी की

निशानदेही पर चोरी गए सामान में से 61हजार नगद एवं चांदी के आभूषण समेत कुल लगभग 80, हजार मूल्य का मशरूका बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। आरोपी को 26 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है।

संस्था कमला नर्सिंग कॉलेज के बीएससी नर्सिंग 2020-21 बैच का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत



बिरसिंहपुर पाली में संचालित संस्था कमला नर्सिंग कॉलेज का परीक्षा परिणाम सत प्रतिशत रहा एवं संभाग में संस्था की अव्वल स्थान प्राप्त हुआ संस्था में पढ़ने वाली छात्रा आरती यादव 84% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त की एवं मिनी सिंह, सुनैना प्रजापति, क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए ज्ञात हो की संस्था का पूर्व में भी सत प्रतिशत रिजल्ट आया था संस्था की

प्राचार्य प्रियंका पटेल ने बच्चों को

बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है एवं आगे भी इसी तरह से मेहनत करने का मंत्र दिया इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने अथक मेहनत के कारण ही संस्था का परिणाम सत प्रतिशत आ रहा है प्राचार्य ने आगे यह भी कहा कि हमारी संस्था में कार्यरत सभी शिक्षक बहुत ही लगन व मेहनत के साथ छात्राओं को अध्यापन कराते हैं इसी वजह से छात्राओं द्वारा इतना बेहतर परिणाम प्राप्त हो सका

बुध्दार। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में कॉमर्स के डीन रहे तथा देश के करीब 15 विश्वविद्यालयों में पेपर सेटर एवं मूल्यांकन के रूप में सेवाएं देने वाले प्रो. डॉ. बलदेव प्रसाद एडवोकेट का रविवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल, जबलपुर में निधन हो गया। वे पिछले करीब एक पखवाड़े से अस्वस्थ चल रहे थे और शहडोल, रीवा एवं जबलपुर के विभिन्न अस्पतालों में उपचाररत रहे। उनके निधन की खबर से शैक्षणिक, सामाजिक एवं पटेल समाज में शोक व्याप्त है।

डॉ. बलदेव प्रसाद का जन्म करीब 79 वर्ष पूर्व शहडोल जिले की जैतपुर तहसील के दूरस्थ ग्राम साखी में कृषक कामता प्रसाद एवं श्रीमती सुकवरिया के ज्येष्ठ पुत्र के रूप में हुआ था। ग्रामीण परिवेश से निकलकर उन्होंने शिक्षा के प्रति अपनी ललक के बल पर उच्च शिक्षा हासिल की। गांव के बाद शहडोल में स्वतंत्रता सेनानी स्व. दीनदयाल जी गुप्त के सहयोग से उनके यहां रहकर उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। आगे चलकर मार्तण्ड स्कूल रीवा में अध्यापक रहे तथा बाद में ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में कॉमर्स व्याख्याता के रूप में सेवाएं प्रारंभ कीं और प्रोफेसर पद तक पहुंचे।

10 दिवसीय जैन महापर्व पर्यूषण का समापन: 11 आर्यिका माताओं के सानिध्य में निकली भव्य शोभायात्रा, मनाया गया क्षमावाणी पर्व



बुध्दार। “क्षमा केवल एक शब्द नहीं अपितु आत्म-कल्याण एवं आत्म-शुद्धि का पर्व है। धर्म की वृद्धि हो और परिणामों में विशुद्धि बढ़े, इस भाव से इन 10 पावन दिनों में हमने क्या खोया और क्या पाया, इसका चिंतन आवश्यक है। दूध जब जल तत्व को खोता है, तब वह खोया बनता है। सत्य कहने की चीज नहीं अपितु जीने की कला है, और जीवन में संयम आ जाए तो इच्छाओं से विरक्ति हो जाती है।”

उक्त मंगल उद्गार परम पूज्य आर्यिका रत्न 105 श्री ऋजुमति माता जी ने पर्यूषण पर्व के समापन एवं क्षमावाणी पर्व के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि किसी को कष्ट न हो और किसी का दिल न दुखे, इसी भावना के साथ इन 10 दिनों में विशेष पूजन-अर्चना की जाती है तथा दिन में 4 बार अपने पापों की निर्जरा हेतु प्रतिक्रमण किया जाता है। अपनी लघुता प्रकट करना ही क्षमा भाव को प्रकट करना है।

उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आर्किंचन्य एवं उत्तम ब्रह्मचर्य—इन 10 धर्मों का क्रमशः पालन करते हुए जैन धर्म के अनुयायियों ने आज दिनांक 27 सितंबर 2026 को बुध्दार में पर्वराज पर्यूषण पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया।

11 गुरु मां का प्राप्त हुआ पावन सानिध्य

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 का पावन चातुर्मास (वर्षायोग) बुध्दार नगर को परम पूज्य

आर्यिका रत्न 105 श्री ऋजुमति माता जी, आर्यिका श्री सरलमति माता जी, आर्यिका श्री शीलमति माता जी, आर्यिका श्री असीममति माता जी, आर्यिका श्री गौतममति माता जी, आर्यिका श्री निर्वाणमति माता जी, आर्यिका श्री मार्दवमति माता जी, आर्यिका श्री मंगलमति माता जी, आर्यिका श्री चारित्रमति माता जी, आर्यिका श्री श्रद्धामति माता जी एवं आर्यिका श्री उत्कर्षमति माता जी (कुल 11 गुरु मां) के रूप में प्राप्त हुआ है।

नगर में निकली भव्य शोभायात्रा, हुआ अभिषेक-पूजन

पर्यूषण पर्व के समापन के अवसर पर सकल दिगंबर समाज महा सभा न्यास बुध्दार, पारसनाथ दिगंबर जैन कमेट्री, श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, श्री शांतिनाथ जैन मंदिर एवं श्री वासुपूज्य जिन मंदिर की समस्त समितियों के संयुक्त तत्वावधान में श्री जी की भव्य एवं मनमोहक शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और ‘जय जिनेंद्र’ के जयकारों के साथ शोभायात्रा ने पूरे नगर में भ्रमण किया।

शोभायात्रा के उपरांत जिनालय परिसर में विधि-विधानपूर्वक भगवान का भव्य अभिषेक एवं पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात आत्म-शुद्धि का पावन पर्व ‘क्षमावाणी’ मनाया गया, जहाँ श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे से जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए ‘मिच्छामि दुक्कड़म्’ कहते हुए निष्कपट भाव से क्षमा याचना की।नगर में 10 दिवसीय जैन महापर्व

पर्यूषण का भव्य समापन: 11 आर्यिका माताओं के सानिध्य में निकली भव्य शोभायात्रा,

मनाया गया क्षमावाणी पर्व

बुध्दार। “क्षमा केवल एक शब्द नहीं अपितु आत्म-कल्याण एवं आत्म-शुद्धि का पर्व है। धर्म की वृद्धि हो और परिणामों में विशुद्धि बढ़े, इस भाव से इन 10 पावन दिनों में हमने क्या खोया और क्या पाया, इसका चिंतन आवश्यक है। दूध जब जल तत्व को खोता है, तब वह खोया बनता है। सत्य कहने की चीज नहीं अपितु जीने की कला है, और जीवन में संयम आ जाए तो इच्छाओं से विरक्ति हो जाती है।”

उक्त मंगल उद्गार परम पूज्य आर्यिका रत्न 105 श्री ऋजुमति माता जी ने पर्यूषण पर्व के समापन एवं क्षमावाणी पर्व के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि किसी को कष्ट न हो और किसी का दिल न दुखे, इसी भावना के साथ इन 10 दिनों में विशेष पूजन-अर्चना की जाती है तथा दिन में 4 बार अपने पापों की निर्जरा हेतु प्रतिक्रमण किया जाता है। अपनी लघुता प्रकट करना ही क्षमा भाव को प्रकट करना है।

उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आर्किंचन्य एवं उत्तम ब्रह्मचर्य—इन 10 धर्मों का क्रमशः पालन करते हुए जैन धर्म के अनुयायियों ने आज दिनांक 27 सितंबर 2026 को बुध्दार में पर्वराज पर्यूषण पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया।

11 गुरु मां का प्राप्त हुआ पावन सानिध्य

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 का पावन

चातुर्मास (वर्षायोग) बुध्दार नगर को परम पूज्य आर्यिका रत्न 105 श्री ऋजुमति माता जी, आर्यिका श्री सरलमति माता जी, आर्यिका श्री शीलमति माता जी, आर्यिका श्री असीममति माता जी, आर्यिका श्री गौतममति माता जी, आर्यिका श्री निर्वाणमति माता जी, आर्यिका श्री मार्दवमति माता जी, आर्यिका श्री मंगलमति माता जी, आर्यिका श्री चारित्रमति माता जी, आर्यिका श्री श्रद्धामति माता जी एवं आर्यिका श्री उत्कर्षमति माता जी (कुल 11 गुरु मां) के रूप में प्राप्त हुआ है।

नगर में निकली भव्य शोभायात्रा, हुआ अभिषेक-पूजन

पर्यूषण पर्व के समापन के अवसर पर सकल दिगंबर समाज महा सभा न्यास बुध्दार, पारसनाथ दिगंबर जैन कमेट्री, श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, श्री शांतिनाथ जैन मंदिर एवं श्री वासुपूज्य जिन मंदिर की समस्त समितियों के संयुक्त तत्वावधान में श्री जी की भव्य एवं मनमोहक शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और ‘जय जिनेंद्र’ के जयकारों के साथ शोभायात्रा ने पूरे नगर में भ्रमण किया।

शोभायात्रा के उपरांत जिनालय परिसर में विधि-विधानपूर्वक भगवान का भव्य अभिषेक एवं पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात आत्म-शुद्धि का पावन पर्व ‘क्षमावाणी’ मनाया गया, जहाँ श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे से जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए ‘मिच्छामि दुक्कड़म्’ कहते हुए निष्कपट भाव से क्षमा याचना की।



मॉडल रोड के लिए 35-35 फीट जमीन की नापी, 200 घरों पर कार्रवाई की तैयारी

धनपुरी। नगर पालिका धनपुरी द्वारा नरगडा नदी से बधिया पुल तक प्रस्तावित मॉडल रोड को लेकर अब जमीन की नापी का काम शुरू कर दिया गया है। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे इस मार्ग के दोनों ओर सड़क की सीमा से 35-35 फीट जमीन की नापी की जा रही है। मॉडल रोड की जट में आने वाले करीब 200 मकानों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं।रविवार सुबह से नगर पालिका की टीम क्षेत्र में पहुंची और घर-घर जाकर सड़क की निर्धारित सीमा की नापी की। नापी के दौरान राजस्व विभाग के पटवारी भी मौजूद रहे। नगर पालिका के जल अधिकारी

रामविलास नापित सहित संबंधित कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया की निगरानी में नापी कराई गई।नापी के बाद बड़ी कार्रवाई की चर्चा।नगर पालिका द्वारा 35-35 फीट की सीमा में नापी किए जाने के बाद अब क्षेत्र के लोगों में इस बात को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि नोटिस के बाद अतिक्रमण हटाने के लिए कितनी मोहलत दी जाएगी। कई मकान और निर्माण प्रस्तावित सड़क की सीमा में आने की स्थिति में हैं। ऐसे में नापी की कार्रवाई को आगे होने वाली कार्रवाई की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।हालांकि, नगर पालिका द्वारा अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि लोगों को अतिक्रमण हटाने के लिए कितने दिनों की मोहलत दी जाएगी और कार्रवाई दिवाली के पहले होगी या दिवाली के बाद। इस संबंध में अंतिम निर्णय नगर पालिका प्रशासन द्वारा लिया जाएगा।लोगों की नजर अब नगर पालिका के अगले आदेश परनापी की कार्रवाई पूरी होने के बाद अब प्रभावित परिवारों की नजर नगर पालिका के अगले मोहलत पर है। लोगों का कहना है कि मॉडल रोड का निर्माण क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन जिन मकानों और दुकानों पर कार्रवाई की स्थिति बन रही है, उन्हें पर्याप्त समय और स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए।नगर पालिका की ओर से नापी के आधार पर सड़क की वास्तविक सीमा चिन्हित किए जाने के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। फिलहाल नरगडा नदी से बधिया पुल तक मॉडल रोड का मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह है कि नगर पालिका अतिक्रमण हटाने के लिए कितनी मोहलत देती है और धरातल पर कार्रवाई कब शुरू होती है।

सेवा संकल्प अभियान-2026 में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभाभाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रचार्य श्री विजय सिंह परस्ते श्री राकेश मिश्रा CAC श्री राजेंद्र प्रसाद पटेल CAC श्री सोन साह सिंह,शिक्षकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। संकुल के अंतर्त गत कुल 14 विद्यालय के छात्र छात्राओं ने भाग लिया कुल छात्र छात्राओं की संख्या 48 जिनमें प्रमुख विद्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से 03, (ज्ञान स्तथली विद्या मंदिर तिखवा के संस्था प्रमुख अरुण कुमार शुक्ला, प्रधानाध्यापिका सुश्री आज्ञा द्विवेदी के विद्यालय से 02, और शासकीय माध्यमिक विद्यालय से बृज किशोर सिंह जी तिखवा से 01 छात्र छात्रों ने स्थान प्राप्त किया विद्यालय परिवार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें स्वच्छता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करती हैं।



गणेश विसर्जन की रात लापता हुआ आदिवासी युवक, जंगल में मिला शव

48 घंटे में हत्या का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

वारदात में इस्तेमाल मोटर साइकिल, ईको कार, कपड़े और अन्य सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

गणेश विसर्जन के दौरान लापता हुए अनुसूचित जनजाति वर्ग के 22 वर्षीय युवक गोवर्धन कोल की हत्या का जैतहरी पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पूछताछ में हत्या की वारदात स्वीकार की है। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार, वारदात के समय पहने गए कपड़े, मोटरसाइकिल, ईको कार और मृतक का पर्स भी बरामद किया गया है। मामले में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। पुलिस के अनुसार 23 सितंबर की रात गोवर्धन कोल गणेश विसर्जन के लिए अपने साथियों के साथ घर से निकला था। रात करीब 10 बजे परिजनों को सूचना मिली कि तेजराज राठौर का बेटा सूरज अपने साथियों के साथ गोवर्धन के साथ मारपीट कर रहा है। इसके बाद परिजनों ने गोवर्धन की तलाश शुरू की,



लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अगली सुबह तलाश के दौरान मंडल के बगीचे के पास गोवर्धन की मोटरसाइकिल का टूटा हुआ क्लच केबल और उसकी दोनों चपलें मिलीं। मोटरसाइकिल भी चपलों से करीब एक किलोमीटर दूर मिली। इसके बाद मामले की सूचना जैतहरी पुलिस को दी गई।

जंगल की झाड़ियों में मिला शव

पुलिस ने गुमशुदगी की सूचना के आधार पर मामला दर्ज कर गोवर्धन की तलाश शुरू की। लगातार तलाश के दौरान उसका शव बदनहाई डोंगरी, सिवनी के जंगल में झाड़ियों के बीच मिला। शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर मर्ग सूचना दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला सामने



आने पर पुलिस अधिकारियों को सूचना दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर घटनास्थल पर विधि-विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारियों और श्वान दल को बुलाया गया। घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराई गई और मौके का नक्शा तैयार किया गया। मृतक के सिर के पास मिला काले रंग का पैट और बेल्ट भी जब्त किया गया। शव का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

जैतहरी में कराया गया।

पांच संदिग्ध हिरासत में, पूछताछ में खुला राज

पुलिस ने मामले में आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान सूरज राठौर, राहुल सिंह राठौर, तेजराज राठौर, दिनेश गोड और राहुल राठौर, सभी निवासी सिवनी, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार, वारदात के समय पहने गए कपड़े, मोटरसाइकिल, ईको कार और मृतक का पर्स बरामद किया है। सभी पांच आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा के लिए न्यायालय अनूपपुर में पेश किया गया।

हत्या के साथ एससी-एसटी अधिनियम की धाराएं बढ़ीं

पुलिस के अनुसार जांच में हत्या और साक्ष्य

छिपाने से संबंधित धाराओं के साथ-साथ अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित प्रावधानों के तहत एससी-एसटी अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक गोवर्धन कोल अनुसूचित जनजाति वर्ग से था, जबकि आरोपियों में सूरज राठौर पिछड़ा वर्ग के राठौर समाज से संबंधित है। मामले की विवेचना अभी जारी है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनूपपुर के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी जैतहरी निरीक्षक गोकुलानंद पाण्डेय, चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण साहू सहित उपनिरीक्षक अमरलाल यादव, सुरेश अहिंवार, जैपीएच तिर्की, मणिराज सिंह, सुरेश कुमार कोरी, जयसिंह, श्रीधराम शुक्ला सहित पुलिस बल की कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन दिनों की मूसलाधार बारिश से अमरकंटक-गौरेला के तीन प्रमुख मार्ग बंद

पहाड़ों से मलबा और पेड़ गिरने से दो दिन से आवागमन बाधित, मार्ग बहाली के प्रयासों का इंतजार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक को छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से जोड़ने वाले तीन प्रमुख संपर्क मार्ग लगातार हुई मूसलाधार बारिश के बाद बंद हो गए हैं। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से क्षेत्र में तीन दिनों तक हुई झमाझम बारिश के चलते पहाड़ी हिस्सों से मलबा और पेड़ गिरने के कारण धरमपानी-दुर्गधारा-पकरिया मार्ग, जालेश्वर-नंदरवानी मार्ग तथा विश्वविद्यालय-पेंड्रा रोड मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। बताया जा रहा है कि तीन मार्ग पिछले दो दिनों से अवरुद्ध हैं। मार्ग पर गिरे पेड़ों और मलबे को हटाकर यातायात बहाल करने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशासन तथा छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग की ओर से कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है। लगातार मार्ग बंद रहने से अमरकंटक और गौरेला-पेंड्रा क्षेत्र के बीच आवागमन करने वाले लोगों के सामने अतिरिक्त दूरी तय करने की स्थिति बन गई है। इन मार्गों का अमरकंटक की यातायात व्यवस्था में विशेष महत्व है। अमरकंटक-



दुर्गधारा-पकरिया मार्ग करीब 25 किलोमीटर, जालेश्वर मार्ग लगभग 33 किलोमीटर तथा विश्वविद्यालय-पेंड्रा रोड मार्ग करीब 35 किलोमीटर लंबा है। सामान्य दिनों में इन मार्गों से अमरकंटक और पेंड्रा क्षेत्र के बीच बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, व्यापारी, पर्यटक एवं तीर्थयात्री आवागमन करते हैं। मार्ग बंद होने के कारण पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्हें तराई क्षेत्र के गांवों से होकर करीब 45 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे यात्रा का समय बढ़ने के साथ ही वाहन चालकों और यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार भी पड़ रहा है।

अमरकंटक धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल होने के कारण यहां वर्षभर देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु और पर्यटक

पहुंचते हैं। पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन अमरकंटक आने वाले यात्रियों के लिए प्रमुख रेल संपर्क केंद्रों में शामिल है। ऐसे में स्टेशन से अमरकंटक तक पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों के एक साथ बंद होने से यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। वहीं, दोनों क्षेत्रों के व्यापारियों को भी सामान के आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। रोजमर्रा की आवश्यक सामग्री के परिवहन से लेकर अन्य व्यापारिक गतिविधियों पर भी इसका असर पड़ रहा है। बारिश के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में पेड़ गिरने और सड़क पर मलबा आने की घटनाएं सामान्य रूप से सामने आती हैं, लेकिन मार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से आवागमन प्रभावित होता है। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों की अपेक्षा है कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण कर गिरे पेड़ों और मलबे को शीघ्र हटाए तथा आवश्यकतानुसार मार्ग की स्थिति को देखते हुए यातायात बहाल करने की कार्रवाई करे। फिलहाल अमरकंटक को गौरेला-पेंड्रा से जोड़ने वाले तीनों प्रमुख मार्गों पर आवागमन प्रभावित है और लोगों को मार्ग खुलने का इंतजार है।

20 साल से त्योहारों पर काम के अतिरिक्त पारिश्रमिक नहीं मिलने का दावा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दीपावली के दौरान बिजली व्यवस्था संभालने वाले हजारों आउटसोर्स कर्मियों के कामबंद आंदोलन की चेतावनी ने बिजली कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है। मध्यप्रदेश की छह बिजली कंपनियों में कार्यरत करीब 45 हजार आउटसोर्स लाइन हेल्पर, संयंत्र सहायक, उपकेंद्र एवं संयंत्र कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, संयंत्र पर्यवेक्षक, मोटर रीडर, सुरक्षा सैनिक, वाहन चालक और चपरासी 7 एवं 8 नवंबर को दो दिन काम नहीं करने की चेतावनी दे रहे हैं। मध्यप्रदेश बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन और विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन ने इस संबंध में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सहित सभी छह बिजली कंपनियों को औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 22 (1) के तहत कामबंद आंदोलन का नोटिस दिया है। संगठनों का कहना है कि प्रदेश के बिजली आउटसोर्स कर्मियों को वेतन और अन्य सुविधाओं के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में पीछे रखा जा रहा है। उनका आरोप है कि पिछले दो दशक से वे दीपावली सहित राष्ट्रीय पर्वों पर छुट्टी का अधिकार छोड़कर बिजली आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने में योगदान देते रहे, लेकिन करीब 90 प्रतिशत आउटसोर्स कर्मियों को श्रम प्रावधानों के अनुरूप इन दिनों किए गए काम का अतिरिक्त पारिश्रमिक अब तक नहीं मिला है।

दीपावली पर बिजली कर्मियों का कामबंद आंदोलन, 6 कंपनियों को नोटिस



ठेका प्रथा खत्म कर सीधे कंपनियों से वेतन की मांग

बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव एवं विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के उपाध्यक्ष नरेन्द्र भदौरिया ने कहा कि लंबे समय से मांगों की अनदेखी के कारण कर्मचारियों में असंतोष है। संगठनों ने पंजाब और उत्तर प्रदेश की तर्ज पर ठेका प्रथा समाप्त कर आउटसोर्स कर्मियों को सीधे शासकीय विभागों एवं बिजली कंपनियों से वेतन देने की मांग की है। इसके लिए विधानसभा में आउटसोर्स कर्मिक संबंधी विधेयक पारित करने की मांग भी की गई है।

49 हजार रिक्त पदों पर नियमित करने की मांग

संगठनों ने बिजली कंपनियों में रिक्त पड़े करीब 49 हजार पदों पर योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर आउटसोर्स कर्मियों को नियमित करने की मांग की है। उनका कहना है कि छोटे

और लघु पद सृजित कर यह व्यवस्था लागू की जा सकती है। इसके साथ ही वर्ष 2023 के भाजपा विधानसभा वचन-पत्र में किए गए प्रावधानों के अनुरूप न्यूनतम वेतन देने, बिजली कंपनियों की नई संगठनात्मक संरचना में समाप्त किए गए 23 हजार पदों को बहाल करने और आउटसोर्स कर्मियों की सेवा आयु 62 वर्ष तक करने की मांग रखी गई है।

जोखिम भता, चिकित्सा अवकाश और दुर्घटना मुआवजा बढ़ाने की मांग

संगठनों ने जोखिमपूर्ण कार्य करने वाले हेल्परों के साथ उपकेंद्र परिचालकों, विद्युत सहायकों, संयंत्र परिचालकों और हेल्परों को जोखिम भता तथा रात्रि पाली भत्ता देने की मांग की है। बिजली बिल वसूली पर 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि, पांच वर्ष से अधिक अनुभवी कर्मियों को प्रतिमाह एक हजार रुपये अतिरिक्त पारिश्रमिक और वर्ष में 10 दिन चिकित्सा अवकाश देने की मांग भी की गई है। विद्युत दुर्घटनाओं में मृत आउटसोर्स कर्मियों के परिजनों को संविदा नियुक्ति देने तथा दुर्घटना में मृत्यु पर मिलने वाली मुआवजा राशि चार लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की मांग की गई है। प्रत्येक तकनीकी

आउटसोर्स कर्मी का 20 लाख रुपये का बीमा बिजली कंपनी से कराने की मांग भी रखी गई है।

हर माह वेतन पर्ची और सेवा पुस्तिका की मांग

संगठनों ने प्रत्येक आउटसोर्स कर्मी की सेवा पुस्तिका तैयार करने, हर माह वेतन पर्ची देने, पांच वर्ष की कुल सेवा अवधि के आधार पर उपदान का लाभ देने तथा बिजली कंपनियों में अवकाश नगदीकरण की व्यवस्था लागू करने की मांग की है। बोस में एकरूपता रखते हुए नए राजपत्र क्रमांक 494 के अनुसार 20 प्रतिशत बोस देने की मांग भी की गई है। इसके अलावा 33, 132 और 220 केवी के प्रत्येक उपकेंद्र में रात्रि पाली के दौरान सुरक्षा गार्ड और हेल्पर तैनात करने, ई-हाजिरी के लिए कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों पर मोबाइल खरीदने का बोझ नहीं डालने तथा बिजली कंपनियों में जैवमितीय हाजिरी मशीन लगाने की मांग की गई है। संगठनों ने क्षेत्रीय कर्मचारियों को ई-हाजिरी से छूट देने की मांग भी उठाई है। संगठनों ने कहा है कि यदि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो दीपावली के दौरान प्रस्तावित दो दिवसीय कामबंद आंदोलन किया जाएगा।

अदाणी फाउंडेशन की पहल से 17 युवाओं को रोजगार, पांच का अहमदाबाद में अमेजन के लिए चयन

कोतमा के स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के बाद मिला रोजगार का अवसर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कोतमा तहसील क्षेत्र में अनूपपुर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के आसपास के गांवों के स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार से जोड़ने की दिशा में अदाणी स्किल डेवलपमेंट सेंटर (एसएसडीसी) अनूपपुर लगातार प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित सक्षम कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 17 युवाओं का रोजगार के लिए चयन हुआ है। एसएसडीसी में तीन माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है। वर्तमान बैच में 41 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनमें 20 प्रशिक्षु वेयरहाउस पैकर तथा 21 प्रशिक्षु डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरೇटर ट्रेड में प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण बैच की शुरुआत 1 जुलाई को हुई थी और इसका समापन 30 सितंबर को होगा।

30 अभ्यर्थियों ने लिया भर्ती प्रक्रिया में हिस्सा

23 सितंबर को अमेजन वेयरहाउस में रोजगार के लिए भर्ती साक्षात्कार आयोजित किया गया। इसमें कुल 30 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 17 युवाओं का रोजगार के लिए चयन किया गया। चयनित युवाओं में से पांच प्रशिक्षु अहमदाबाद, गुजरात स्थित अमेजन वेयरहाउस में कार्यभार ग्रहण करेंगे। इन



चयनित युवाओं को 20 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन के साथ प्रॉविडेंट फंड (पीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और परिवहन जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण के बाद रोजगार मिलने से क्षेत्र में कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति उत्साह बढ़ा है।

प्रशिक्षक और मोबिलाइजर की अहम भूमिका

रोजगार चयन प्रक्रिया को सफल बनाने में वेयरहाउस पैकर ट्रेड के प्रशिक्षक परीक्षित सिंह और मोबिलाइजर

संजय कुमार गोयल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों ने भर्ती प्रक्रिया के दौरान प्रशिक्षुओं को आवश्यक मार्गदर्शन देने के साथ रोजगार के अवसरों से जोड़ने में सहयोग किया। अदाणी स्किल डेवलपमेंट सेंटर द्वारा स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में सामने आई है।

अनूपपुर में विश्व हिंदी ओलंपियाड, 300 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता, रुचि और भाषाई दक्षता विकसित करने तथा हिंदी को शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से एआईएसईसीटी क्षेत्रीय कार्यालय, अनूपपुर द्वारा विश्व हिंदी ओलंपियाड का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। ओलंपियाड के माध्यम से विद्यार्थियों की हिंदी भाषा संबंधी समझ, ज्ञान, अभिव्यक्ति क्षमता और भाषाई दक्षता का आकलन किया गया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ उनकी भाषाई प्रतिभा को पहचानना और उसे



विकसित करना रहा। कार्यक्रम में हिंदी के बदलते स्वरूप तथा इसके शैक्षणिक, तकनीकी और रोजगारपरक महत्व पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि हिंदी के क्षेत्र में लेखन, पत्रकारिता, शिक्षण, अनुवाद, सामग्री

लेखन, डिजिटल माध्यम, विज्ञापन और प्रकाशन जैसे अनेक क्षेत्रों में रोजगार एवं कार्य के अवसर उपलब्ध हैं। एआईएसईसीटी प्रकाशन के माध्यम से तकनीकी और समकालीन विषयों पर आधारित पुस्तकों को हिंदी भाषा में प्रकाशित करने की पहल भी की जा रही है। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते तकनीकी विषयों से संबंधित पुस्तकों को हिंदी में उपलब्ध कराने का उद्देश्य हिंदी भाषी विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी और ज्ञान तक उनकी सहज भाषा में पहुंच प्रदान करना है। इस पहल से विद्यार्थी तकनीकी विषयों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे तथा बदलते डिजिटल और रोजगारपरक परिवेश के अनुरूप अपनी क्षमताओं को विकसित कर सकेंगे। प्राथमिक स्तर से लेकर महाविद्यालय स्तर तक विद्यार्थियों की सहभागिता ने हिंदी भाषा के प्रति उनके उत्साह और रुचि को प्रदर्शित किया।

लिटिल स्टेप्स हाई स्कूल में ‘सफलता का रहस्य’ पर प्रेरणादायक सेमिनार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। लिटिल स्टेप्स हाई स्कूल, अनूपपुर में कक्षा 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए इस्कॉन के वक्ताओं द्वारा ‘सफलता का रहस्य’ विषय पर प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वक्ताओं ने सफलता के वास्तविक अर्थ को समझाते हुए विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारण के साथ स्वयं को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। सेमिनार में गौरांगी भारद्वाज, विशाखा भारद्वाज एवं बाल कृष्ण भारद्वाज ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए सफलता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने स्वयं का प्रबंधन, प्रयासों का प्रबंधन, संगति का प्रबंधन, संबंधों का प्रबंधन,



भावनाओं का प्रबंधन एवं समय का प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को विद्यार्थियों के दैनिक जीवन से जोड़कर समझाया। वक्ताओं ने कहा कि सफलता का अर्थ केवल अच्छे अंक प्राप्त करना, धन कमाना, ऊंचा पद हासिल करना या प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं है। जीवन में समय, प्रयास, भावनाओं और संबंधों का संतुलित प्रबंधन करते हुए सकारात्मक

सोच के साथ आगे बढ़ना भी सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति अनुशासन, निरंतर प्रयास और अच्छी संगति अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान “वास्तविक सफलता का अर्थ स्थायी खुशी है” इस विचार को विद्यार्थियों के समक्ष प्रमुखता से रखा गया। वक्ताओं ने समझाया कि बाहरी उपलब्धियों के साथ आंतरिक संतुलन, शांति और प्रसन्नता भी जीवन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। सेमिनार ने विद्यार्थियों को पढ़ाई और भविष्य में आगे बढ़ने के साथ-साथ बेहतर व्यक्तित्व विकसित करने, सकारात्मक संभावना बनाने और जीवन में संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा।

